चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| | 27.5.26 | 1 | 1-4 |

दैनिक भास्कर

भास्कर खास | हरियाणा का पहला वाटर मैप तैयार, 22 जिलों से लिए 10,500 नमूने

# हरियाणा में 31.83 फीसदी भूजल ही उत्तम श्रेणी का, बाकी में कहीं नमक तो कहीं खतरनाक सोडियम

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा में किस जगह का भूजल फसलों के लिए वरदान है और किस ब्लॉक का पानी उपजाऊ जमीन को धीरे-धीरे बंजर बना रहा है, अब इसका पूरा सच एक वैज्ञानिक नक्शे पर सामने आ गया है। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों ने प्रदेश का पहला भूजल गुणवत्ता मानचित्र तैयार करने किया है। कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने इस मैप का विधिवत विमोचन करते हुए इसे किसानों की तकदीर बदलने वाला बताया। यह महाप्रोजेक्ट भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना लवणीय जल का प्रबंधन के तहत पूरा हुआ है, जिसमें केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान, करनाल के वैज्ञानिकों ने भी काम किया।

अब खारे या खराब पानी वाले क्षेत्रों में संवेदनशील फसलें लगाने से होने वाला किसानों का लाखों का नुकसान पहले ही रुक जाएगा। गलत पानी की सिंचाई से उपजाऊ जमीनें रेह या कलर (सफेद परत) में बदल जाती हैं।

एचएयू की वैज्ञानिकों की टीम ने नक्शा दिखाया।

## एचएयू की टीम ने 6 साल में डेटा जुटाया

इस वाटर मैप को तैयार करने के पीछे विवि के भू-वैज्ञानिकों की 6 साल मेहनत की है। वैज्ञानिकों की टीमों ने राज्य के सभी 22 जिलों के एक-एक गांव का दौरा किया, वहां की मिट्टी को खुद टच किया और ग्राउंड जीरो से 10,500 से अधिक भूजल के सैंपल जुटाए। इन नमूनों का लैब में परीक्षण करने के बाद यह डेटाबेस फाइनल किया है। मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर के नेतृत्व में परियोजना प्रभारी डॉ. रामप्रकाश, डॉ. संजय कुमार, डॉ. राजपाल यादव, डॉ. सरिता रानी, डॉ. अंकुश ढांडा, डॉ. सज्जन कुमार शर्मा और डॉ. सत्यवान की टीम ने 6 साल तक लगातार फील्ड में रहकर इस डेटा को जुटाया है।

## 7 श्रेणियों में बंटा प्रदेश का पानी

**उत्तम गुणवत्ता (31.83%) :** सभी पारंपरिक और नकदी फसलों के लिए पूरी तरह उपयुक्त (अमृत)।

**सीमांत लवणीय (30.04%) हल्का खारापन :** जौ, सरसों जैसी लवण-सहनशील फसलें ही कामयाब होंगी।

**उच्च खारा जल (19.50%) खतरनाक श्रेणी :** बिना जिप्सम और वैज्ञानिक प्रबंधन के सीधा उपयोग नुकसानदेह।

**शुद्ध खारा जल (6.04%) फसलों को सीधा नुकसान :** विशेष कृषि तकनीक और कम पानी वाली फसलें जरूरी।

**थोड़ा सोडियम युक्त (5.67%) मिट्टी को नुकसान :** जैविक और हरी खाद डालना जरूरी

**उच्च सोडियम युक्त (5.26%)** जमीन को पत्थर जैसा कठोर और बंजर बना देगा, बिना रासायनिक उपचार वर्जित।

**सोडियम युक्त जल (1.66%)** बेहद संतुलित और नियंत्रित। कृषि प्रबंधन के तहत ही सीमित उपयोग संभव।

| | |
|---|---|
| | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,<br>हिसार, लोक संपर्क कार्यालय |

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सिटी पल्स न्यूज | 26.05.2026 | -- | -- |

# प्रदेश में लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया

## हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का कुलपति प्रो. काम्बोज ने किया विमोचन

**सिटी पल्स न्यूज, हिसार।** हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन किया। यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में उपलब्ध भूजल की गुणवत्ता, सिंचाई उपयोगिता तथा फसल प्रबंधन संबंधी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

प्रो. काम्बोज ने कहा कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध सिंचाई जल की गुणवत्ता के आधार पर फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि उत्पादन तकनीकों की बेहतर योजना बनाने में यह मानचित्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का वैज्ञानिक एवं संतुलित प्रबंधन वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह मानचित्र किसानों को विभिन्न क्षेत्रों की जल गुणवत्ता के अनुरूप उपयुक्त फसलों के चयन में मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं सतत कृषि विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

कुलपति ने बताया कि उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया, जिससे अधिकांश फसलों की सफल सिंचाई की जा सकती है। वहीं लगभग 30.04 प्रतिशत जल 'सीमांत लवणीय जल' श्रेणी में पाया गया, जिसका उपयोग लवण-सहनशील फसलों के लिए किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि जल संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन ही भविष्य की कृषि को सुरक्षित एवं टिकाऊ बना सकता है। किसानों की आय बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जल गुणवत्ता का सही आकलन और उसका प्रभावी उपयोग आवश्यक है।

मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने बताया कि भूजल गुणवत्ता मानचित्र के अनुसार खारा जल 6.04 प्रतिशत, उच्च एसएआर खारा जल 19.50 प्रतिशत, सोडियम युक्त जल 5.67 प्रतिशत, सोडियम युक्त जल 1.66 प्रतिशत तथा उच्च सोडियम युक्त जल 5.26 प्रतिशत है। इस अवसर पर परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों में परियोजना प्रभारी डॉ. रामप्रकाश, डॉ. संजय कुमार, डॉ. राजपाल यादव, डॉ. सरिता रानी, डॉ. अंकुश कांवड़ा, डॉ. सज्जन कुमार शर्मा तथा डॉ. सत्यवान उपस्थित रहे।

### भूजल की स्थिति

31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल'
30.04 प्रतिशत 'सीमांत लवणीय जल'
6.04 प्रतिशत खारा जल
19.50 प्रतिशत उच्च एसएआर खारा जल

**किसानों को होगा लाभ**

फसल चयन में मिलेगी मदद
सिंचाई प्रबंधन होगा बेहतर
मृदा स्वास्थ्य सुधार को बढ़ावा
सतत कृषि विकास में सहायक

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| चिराग टाइम्स न्यूज | 26.05.2026 | -- | -- |

# एनएसएस स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत की सफाई, कुलपति ने की प्रशंसा

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सफाई का कार्य किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों से कूड़े-कचरे को एकत्रित कर परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को स्वच्छ पर्यावरण के महत्व के प्रति प्रेरित करना रहा। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संकल्प भी लिया।

स्वच्छता अपनाएं-बीमारियों को दूर भगाएं: प्रो. कम्बोज

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा भाव विकसित करते हैं। उन्होंने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के समाज हित कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। स्वच्छ वातावरण हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है, इसलिए हमें अपने घर, आसपास के क्षेत्र और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए।

राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ भगत सिंह ने बताया कि स्वयंसेवकों द्वारा समय-समय पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों में सेवा और नेतृत्व की भावना का विकास हो सके। इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ. सोधन शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अरुण कुमार व डॉ. इदरीश सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दक्ष दर्पण न्यूज | 26.05.2026 | -- | -- |

# एनएसएस स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत की सफाई, कुलपति ने की प्रशंसा

दक्ष दर्पण

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सफाई का कार्य किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों से कूड़े-कचरे को एकत्रित कर परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को स्वच्छ वातावरण के महत्व के प्रति प्रेरित करना रहा। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संकल्प भी लिया।

**स्वच्छता अपनाएं-बीमारियों को दूर भगाएं: प्रो. काम्बोज**-कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा भाव विकसित करते हैं। उन्होंने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के समाज हित कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। स्वच्छ वातावरण हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है, इसलिए हमें अपने घर, आसपास के क्षेत्र और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ भगत सिंह ने बताया कि स्वयंसेवकों द्वारा समय-समय पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों में सेवा और नेतृत्व की भावना का विकास हो सके। इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ. लोचन शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अरुण कुमार व डॉ. इदरीश सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दक्ष दर्पण न्यूज | 26.05.2026 | -- | -- |

# हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का कुलपति प्रो. काम्बोज ने किया विमोचन

**» हरियाणा में लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया**

दक्ष दर्पण

**हिसार:** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन किया। यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में उपलब्ध भूजल की गुणवत्ता, सिंचाई उपयोगिता तथा फसल प्रबंधन संबंधी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध सिंचाई जल की गुणवत्ता के आधार पर फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि उत्पादन तकनीकों की बेहतर योजना बनाने में यह मानचित्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का वैज्ञानिक एवं संतुलित प्रबंधन वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह मानचित्र किसानों को विभिन्न क्षेत्रों की जल गुणवत्ता के अनुरूप उपयुक्त फसलों के चयन में मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं सतत कृषि विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने बताया कि यह कार्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'लवणीय जल का प्रबंधन एवं कृषि में संबंधित लवणीकरण' के अंतर्गत किया गया है। परियोजना के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से भूजल नमूनों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर जल गुणवत्ता का वर्गीकरण एवं मानचित्रण किया गया। जल गुणवत्ता मानचित्र में हरियाणा के विभिन्न जिलों के जल की गुणवत्ता का विस्तृत वर्गीकरण प्रस्तुत किया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया, जिससे अधिकांश फसलों की सफल सिंचाई की जा सकती है। वहीं लगभग 30.04 प्रतिशत जल 'सीमांत लवणीय जल' श्रेणी में पाया गया, जिसका उपयोग लवण-सहनशील फसलों के लिए किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि जल संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन ही भविष्य की कृषि को सुरक्षित एवं टिकाऊ बना सकता है। किसानों की आय बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जल गुणवत्ता का सही आकलन और उसका प्रभावी उपयोग आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मानचित्र वैज्ञानिक शोध, प्रशासनिक योजना तथा किसानों के व्यावहारिक उपयोग—तीनों स्तरों पर लाभकारी सिद्ध होगा तथा हरियाणा में जल संरक्षण, संसाधन प्रबंधन एवं टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने बताया कि भूजल गुणवत्ता मानचित्र के अनुसार खारा जल 6.04 प्रतिशत, उच्च एसएआर खारा जल 19.50 प्रतिशत, थोड़ा सोडियम युक्त जल 5.67 प्रतिशत, सोडियम युक्त जल 1.66 प्रतिशत तथा उच्च सोडियम युक्त जल 5.26 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि सीएसएसआरआई, करनाल के विभिन्न परियोजना समन्वयकों ने भी इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों में परियोजना प्रभारी डॉ. रामप्रकाश, डॉ. संजय कुमार, डॉ. राजपाल यादव, डॉ. सरिता रानी, डॉ. अंकुश ढांडा, डॉ. सज्जन कुमार शर्मा तथा डॉ. सत्यवान उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 27.5.26 | 4 | 2-5 |

# हरियाणा में 31.83 % भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' की श्रेणी में, 30.04 % सीमांत लवणीय

## हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने किया विमोचन

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन किया। यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में उपलब्ध भूजल की गुणवत्ता, सिंचाई उपयोगिता तथा फसल प्रबंधन संबंधी विज्ञानी जानकारी उपलब्ध कराना है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया, जिससे अधिकांश फसलों की सफल सिंचाई की जा सकती है। वहीं लगभग 30.04 प्रतिशत जल 'सीमांत लवणीय जल' श्रेणी में पाया गया, जिसका उपयोग लवण-सहनशील फसलों के लिए किया जा सकता है। कुलपति ने कहा कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध सिंचाई जल की गुणवत्ता के आधार पर फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि उत्पादन तकनीकों की बेहतर योजना बनाने में यह मानचित्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का विज्ञानी एवं संतुलित प्रबंधन वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह मानचित्र किसानों को विभिन्न क्षेत्रों की जल गुणवत्ता के अनुरूप उपयुक्त फसलों के चयन में मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं सतत कृषि विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

कुलपति बीआर काम्बोज ने बताया कि यह कार्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'लवणीय जल का प्रबंधन एवं कृषि में संबंधित लवणीकरण' के अंतर्गत किया गया है।

अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि जल संसाधनों का विज्ञानी प्रबंधन ही भविष्य की कृषि को सुरक्षित एवं टिकाऊ बना सकता है। किसानों की आय बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जल गुणवत्ता का सही आकलन और उसका प्रभावी उपयोग आवश्यक है।

मानचित्र विमोचन के दौरान कुलपति प्रो. काम्बोज के साथ हकृवि के विज्ञानी।

**6.04 प्रतिशत खारा जल :** मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डा. दिनेश तोमर ने बताया कि भूजल गुणवत्ता मानचित्र के अनुसार खारा जल 6.04 प्रतिशत, उच्च एसएआर खारा जल 19.50 प्रतिशत, थोड़ा सोडियम युक्त जल 5.67 प्रतिशत, सोडियम युक्त जल 1.66 प्रतिशत तथा उच्च सोडियम युक्त जल 5.26 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि सीएसएसआरआइ करनाल के विभिन्न परियोजना समन्वयकों ने भी इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 27.5.26 | 2 | 3-6 |

भारत में 1.17 करोड़ से अधिक पाठक (IRS 2019)

PUNJAB KESARI HISSAR

पंजाब केसरी


# हरियाणा में जल गुणवत्ता को लेकर तैयार किया मानचित्र, 31.83 प्रतिशत भूजल उत्तम व 30.04 प्रतिशत सीमांत लवणीय

- खारा जल 6.04 प्रतिशत
- उच्च एस.ए.आर. खारा जल 19.50 प्रतिशत
- थोड़ा सोडियम युक्त जल 5.67 प्रतिशत
- सोडियम युक्त जल 1.66 प्रतिशत
- उच्च सोडियम युक्त जल 5.26 प्रतिशत दर्शाया



*कुलपति प्रो. काम्बोज के साथ वैज्ञानिक।*

हिसार, 26 मई (राठी): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय ने हरियाणा में जलगुणवत्ता को लेकर मानचित्र के साथ एक आंकड़ा प्रस्तुत किया है। यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है। यह भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'लवणीय जल का प्रबंधन एवं कृषि में संबंधित लवणीकरण' के अंतर्गत किया गया है। जल गुणवत्ता मानचित्र में हरियाणा के विभिन्न जिलों के जल की गुणवत्ता का विस्तृत वर्गीकरण प्रस्तुत किया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया, जिससे अधिकांश फसलों की सफल सिंचाई की जा सकती है। वहीं लगभग 30.04 प्रतिशत जल 'सीमांत लवणीय जल' श्रेणी में पाया गया, जिसका उपयोग लवण-सहनशील फसलों के लिए किया जा सकता है। मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने बताया कि भूजल गुणवत्ता मानचित्र के अनुसार खारा जल 6.04 प्रतिशत, उच्च एस.ए.आर. खारा जल 19.50 प्रतिशत, थोड़ा सोडियम युक्त जल 5.67 प्रतिशत, सोडियम युक्त जल 1.66 प्रतिशत तथा उच्च सोडियम युक्त जल 5.26 प्रतिशत है।

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि जल संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन ही भविष्य की कृषि को सुरक्षित एवं टिकाऊ बना सकता है। उन्होंने बताया कि सी.एस.एस.आर.आई., करनाल के विभिन्न परियोजना समन्वयकों ने भी इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। आज इस मानचित्र को कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज द्वारा जारी किया गया। इस अवसर पर परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों में परियोजना प्रभारी डॉ. रामप्रकाश, डॉ. संजय कुमार, डॉ. राजपाल यादव, डॉ. सरिता रानी, डॉ. अंकुश ढांडा, डॉ. सज्जन कुमार शर्मा तथा डॉ. सत्यवान उपस्थित रहे।

> हकृवि कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने बताया कि यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में उपलब्ध भूजल की गुणवत्ता, सिंचाई उपयोगिता तथा फसल प्रबंधन संबंधी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

**इस मानचित्र का फायदा:** हरियाणा के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध सिंचाई जल की गुणवत्ता के आधार पर फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि उत्पादन तकनीकों की बेहतर योजना बनाने में यह मानचित्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का वैज्ञानिक एवं संतुलित प्रबंधन वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह मानचित्र किसानों को विभिन्न क्षेत्रों की जल गुणवत्ता के अनुरूप उपयुक्त फसलों के चयन में मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं सतत कृषि विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि. भूमि | 27.5.26 | 11 | 1-6 |


हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग ने तैयार किया जल गुणवत्ता मानचित्र

# प्रदेश में 31.83 % भूजल 'उत्तम गुणवत्ता' व 30.04 % 'सीमांत लवणीय' श्रेणी का

19.50 प्रतिशत भूजल उच्च एसएआर खारा जल श्रेणी का मिला

- राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का कुलपति प्रो. काम्बोज ने किया विमोचन

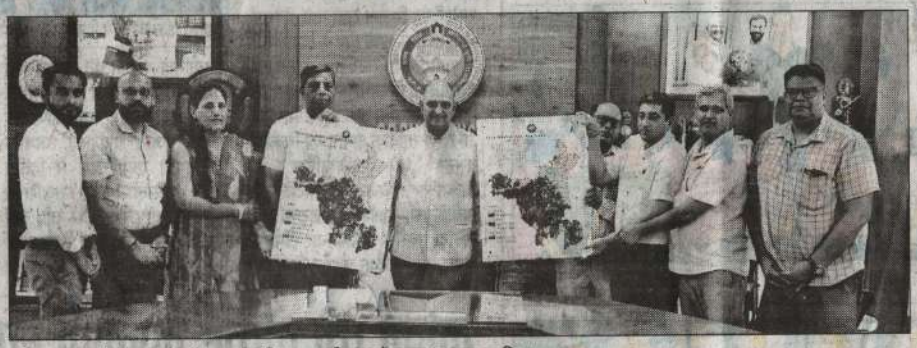

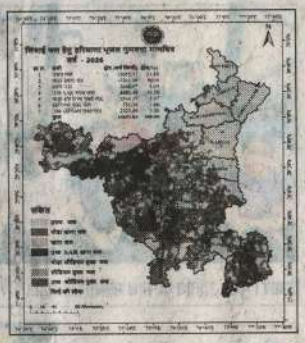





हिसार। कुलपति प्रो. काम्बोज के साथ वैज्ञानिक तथा हरियाणा में भूजल गुणवत्ता मानचित्र।

फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▸▸। हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने प्रदेश के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन किया। यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में उपलब्ध भूजल की गुणवत्ता, सिंचाई उपयोगिता तथा फसल प्रबंधन संबंधी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है।

जल गुणवत्ता मानचित्र में हरियाणा के विभिन्न जिलों के जल ... प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया, जिससे अधिकांश फसलों की सफल सिंचाई की जा सकती है। वहीं लगभग 30.04 प्रतिशत जल 'सीमांत लवणीय जल' श्रेणी में पाया गया, जिसका उपयोग लवण-सहनशील फसलों के लिए किया जा सकता है। भूजल गुणवत्ता मानचित्र के अनुसार खारा जल 6.04 प्रतिशत, उच्च एसएआर खारा जल 19.50 प्रतिशत, थोड़ा सोडियम युक्त जल 5.67 प्रतिशत, सोडियम युक्त जल 1.66 प्रतिशत

## महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा यह मानचित्र : काम्बोज

प्रो. काम्बोज ने कहा कि राज्य के उपलब्ध सिंचाई जल की गुणवत्ता के आधार पर फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि उत्पादन तकनीकों की बेहतर योजना बनाने में यह मानचित्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का वैज्ञानिक एवं संतुलित प्रबंधन वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह कार्य आईसीएआर की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'लवणीय जल का प्रबंधन एवं कृषि में संबंधित लवणीकरण' के अंतर्गत किया गया है। परियोजना के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से भूजल नमूनों का वैज्ञानिक विश्लेषण

## तीनों स्तरों पर लाभकारी सिद्ध होगा : डॉ. गर्ग

अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि जल संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन ही भविष्य की कृषि को सुरक्षित एवं टिकाऊ बना सकता है। किसानों की आय बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जल गुणवत्ता का सही आकलन और उसका प्रभावी उपयोग आवश्यक है। मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने बताया कि सीएसएसआरआई, करनाल के विभिन्न परियोजना समन्वयकों ने भी इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर परियोजना प्रभारी डॉ. रामप्रकाश, डॉ. संजय कुमार, डॉ. राजपाल यादव, डॉ. सरिता रानी, ... कुमार शर्मा तथा

## भूजल गुणवत्ता मानचित्र के अनुसार खारा जल 6.04 प्रतिशत

### हरियाणा में भूजल गुणवत्ता (वर्ष 2026)

| श्रेणी | क्षेत्र (वर्ग किमी) | क्षेत्र (फीसद) |
|---|---|---|
| उत्तम जल | 14055.37 | 31.83 |
| थोड़ा खारा जल | 13261.16 | 30.04 |
| खारा जल | 2666.67 | 6.04 |
| उच्च खारा जल | 8609.40 | 19.50 |
| थोड़ा सोडियम युक्त जल | 2504.17 | 5.67 |
| सोडियम युक्त जल | 731.16 | 1.66 |
| उच्च सोडियम युक्त जल | 2323.90 | 5.26. |
| कुल | 44151.84 | 100.00 |

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 27.5.26 | 3 | 2-5 |

# प्रदेश का 31.83 प्रतिशत भूजल उत्तम गुणवत्ता वाला

## एचएयू में राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन, वैज्ञानिकों ने तैयार किया

माई सिटी रिपोर्टर

कुलपति प्रो. काम्बोज के साथ पोस्टर विमोचन कार्यक्रम में उपस्थित वैज्ञानिक। स्रोत : संस्थान

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन किया। विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार इस मानचित्र में राज्य के विभिन्न जिलों के भूजल की गुणवत्ता, सिंचाई उपयोगिता और फसल प्रबंधन संबंधी वैज्ञानिक जानकारी शामिल की गई है। मानचित्र के अनुसार हरियाणा का 31.83 प्रतिशत भूजल उत्तम गुणवत्ता वाला है जबकि 30.04 प्रतिशत जल सीमांत लवणीय श्रेणी में पाया गया है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि यह मानचित्र फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन और कृषि उत्पादन की वैज्ञानिक योजना बनाने में किसानों के लिए उपयोगी साबित होगा। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का वैज्ञानिक प्रबंधन समय की आवश्यकता है जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ मृदा स्वास्थ्य और सतत कृषि विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह कार्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना लवणीय जल का प्रबंधन एवं कृषि में संबंधित लवणीकरण के तहत किया गया है।

परियोजना के अंतर्गत विभिन्न जिलों से भूजल नमूनों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर जल गुणवत्ता का वर्गीकरण और मानचित्रण किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि जल संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन भविष्य की टिकाऊ कृषि के लिए जरूरी है। वहीं, मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने बताया कि राज्य में 19.50 प्रतिशत भूजल उच्च एसएआर खारा, 6.04 प्रतिशत खारा, 5.67 प्रतिशत थोड़ा सोडियम युक्त, 1.66 प्रतिशत सोडियम युक्त तथा 5.26 प्रतिशत उच्च सोडियम युक्त पाया गया है।

उन्होंने बताया कि सीएसएसआरआई, करनाल के विभिन्न परियोजना समन्वयकों ने भी इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर परियोजना प्रभारी डॉ. रामप्रकाश, डॉ. संजय कुमार, डॉ. राजपाल यादव, डॉ. सरिता रानी, डॉ. अंकुश ढांडा, डॉ. सज्जन कुमार शर्मा और डॉ. सत्यवान मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 27.5.26 | 9 | 6-8 |

## हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का कुलपति प्रो. काम्बोज ने किया विमोचन

हिसार, 26 मई (विरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन किया। यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में उपलब्ध भूजल की गुणवत्ता, सिंचाई उपयोगिता तथा फसल प्रबंधन संबंधी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध सिंचाई जल की गुणवत्ता के आधार पर फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि उत्पादन तकनीकों को बेहतर योजना बनाने में यह मानचित्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का वैज्ञानिक एवं संतुलित प्रबंधन वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह मानचित्र किसानों को विभिन्न क्षेत्रों की जल गुणवत्ता के अनुरूप उपयुक्त फसलों के चयन में मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं सतत कृषि विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने बताया कि यह कार्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'लवणीय जल का प्रबंधन एवं कृषि में संबंधित लवणीकरण' के अंतर्गत किया गया है। परियोजना के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से भूजल नमूनों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर जल गुणवत्ता का वर्गीकरण एवं मानचित्रण किया गया। वहीं लगभग 30.04 प्रतिशत जल 'सीमांत लवणीय जल' श्रेणी में पाया गया, जिसका उपयोग लवण-सहनशील फसलों के लिए किया जा सकता है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया कि जल संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन ही भविष्य की कृषि को सुरक्षित एवं टिकाऊ बना सकता है। किसानों की आय बढ़ाने तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए जल गुणवत्ता का सही आकलन और उसका प्रभावी उपयोग आवश्यक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह मानचित्र वैज्ञानिक शोध, प्रशासनिक योजना तथा किसानों के व्यावहारिक उपयोग—तीनों स्तरों पर लाभकारी सिद्ध होगा तथा हरियाणा में जल संरक्षण, संसाधन प्रबंधन एवं टिकाऊ कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने बताया कि भूजल गुणवत्ता मानचित्र के अनुसार खारा जल 6.04 प्रतिशत, उच्च एसएआर खारा जल 19.50 प्रतिशत, थोड़ा सोडियम युक्त जल 5.67 प्रतिशत, सोडियम युक्त जल 1.66 प्रतिशत तथा उच्च सोडियम युक्त जल 5.26 प्रतिशत है। उन्होंने बताया कि सीएसएसआरआई, करनाल के विभिन्न परियोजना समन्वयकों ने भी इस कार्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर परियोजना से जुड़े वैज्ञानिकों में परियोजना प्रभारी डॉ. रामप्रकाश, डॉ. संजय कुमार, डॉ. राजपाल यादव, डॉ. सरिता रानी, डॉ. अंकुश ढांडा, डॉ. सज्जन कुमार शर्मा तथा डॉ. सत्यवान उपस्थित रहे।

कुलपति प्रो. काम्बोज के साथ वैज्ञानिक।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक भास्कर | 27.5.26 | 3 | 4-6 |

एचएयू परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान चलाया।

## स्वच्छता को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संकल्प लिया

### हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में एनएसएस का स्वच्छता अभियान

**हिसार** | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के तहत विभिन्न स्थानों से कूड़ा-कचरा एकत्र कर सफाई की। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज को स्वच्छ वातावरण के महत्व के लिए प्रेरित करना रहा। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संकल्प लिया।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, जीवनशैली का आवश्यक हिस्सा है और ऐसे कार्यक्रम सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन व सेवा भाव विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि गंदगी से कई बीमारियां फैलती हैं, इसलिए घर, आसपास और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए। एनएसएस अवार्डी डॉ. भगत सिंह ने बताया कि स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता जैसे कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ. लोचन शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अरुण कुमार व डॉ. इदरीश सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| दैनिक जागरण | 27.5.26 | 4 | 6-8 |

# स्वयंसेवकों ने हकृवि परिसर में की सफाई

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सफाई का कार्य किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों से कूड़े-कचरे को एकत्रित कर परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को स्वच्छ वातावरण के महत्व के प्रति प्रेरित करना रहा। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संकल्प भी लिया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा भाव विकसित करते हैं। उन्होंने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के समाज हित कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि गंदगी से बीमारियां फैलती हैं। स्वच्छ वातावरण हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है, इसलिए हमें अपने घर, आसपास के क्षेत्र और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज स्वयंसेवकों के साथ।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अजीत समाचार | 27.5.26 | 11 | 7-8 |

## एनएसएस स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत की सफाई, कुलपति ने की प्रशंसा

हिसार, 26 मई (बिरेंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सफाई का कार्य किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों से कूड़े-कचरे को एकत्रित कर परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को स्वच्छ वातावरण के महत्व के प्रति प्रेरित करना रहा। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संकल्प भी लिया।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयंसेवकों के साथ।

**स्वच्छता अपनाएं-बीमारियों को दूर भगाएं : प्रो. काम्बोज**

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा भाव विकसित करते हैं। उन्होंने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के समाज हित कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ. भगत सिंह ने बताया कि स्वयंसेवकों द्वारा समय-समय पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों में सेवा और नेतृत्व की भावना का विकास हो सके। इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ. लोचन शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अरुण कुमार व डॉ. इदरीश सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पंजाब केसरी | 27.5.26 | 2 | 7-8 |

## एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत की सफाई

*कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयंसेवकों के साथ।*

हिसार, 26 मई (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सफाई का कार्य किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों से कूड़े-कचरे को एकत्रित कर परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को स्वच्छ वातावरण के महत्व के प्रति प्रेरित करना रहा। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संकल्प भी लिया।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के समाज हित कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डा. भगत सिंह ने बताया कि स्वयंसेवकों द्वारा समय-समय पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों में सेवा और नेतृत्व की भावना का विकास हो सके। इस अवसर पर एन.एस.एस. अधिकारी डॉ. लोचन शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अरूण कुमार व डॉ. इदरीश सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| अमर उजाला | 27.5.26 | 4 | 1-2 |

## स्वयंसेवकों ने चलाया स्वच्छता अभियान

एनएसएस के स्वयंसेवकों के साथ एचएयू के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : विवि

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के स्वयंसेवकों ने मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर सफाई की।

स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों पर फैला कूड़ा एकत्रित कर स्वच्छ एवं सुंदर वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। एनएसएस अवॉर्डी डॉ. भगत सिंह ने बताया कि स्वयंसेवकों की ओर से समय-समय पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दौरान डॉ. लोचन शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अरुण कुमार मौजूद रहे। ब्यूरो

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| हरि · भूमि | 27.5.26 | 12 | 2-3 |

# स्वयंसेवकों ने हकृवि परिसर में चलाया स्वच्छता अभियान

- स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा : वीसी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने स्वच्छता अभियान के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सफाई का कार्य किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों से कूड़े-कचरे को एकत्रित कर परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को स्वच्छ वातावरण के महत्व के प्रति प्रेरित करना रहा। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना अवार्डी डॉ भगत सिंह

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज स्वयंसेवकों के साथ। फोटो: हरिभूमि

ने बताया कि स्वयंसेवकों द्वारा समय-समय पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों में सेवा और नेतृत्व की भावना का विकास हो सके।

इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ. लोचन शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अरुण कुमार व डॉ. इदरीश सहित आदि मौजूद रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पवित्र भारत न्यूज | 26.05.2026 | -- | -- |

# हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का कुलपति प्रो. काम्बोज ने किया विमोचन

**● हरियाणा में लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया**

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन किया। यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है, जिसका उद्देश्य राज्य के विभिन्न जिलों में उपलब्ध भूजल की गुणवत्ता, सिंचाई उपयोगिता तथा फसल प्रबंधन संबंधी वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराना है। कुलपति प्रो. काम्बोज ने कहा कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध सिंचाई जल की गुणवत्ता के आधार पर फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन तथा कृषि उत्पादन तकनीकों की बेहतर योजना बनाने में यह मानचित्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का वैज्ञानिक एवं संतुलित प्रबंधन वर्तमान समय की आवश्यकता है। यह मानचित्र किसानों को विभिन्न क्षेत्रों की जल गुणवत्ता के अनुरूप उपयुक्त फसलों के चयन में मार्गदर्शन प्रदान करेगा, जिससे कृषि उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ मृदा स्वास्थ्य सुधार एवं सतत कृषि विकास को भी बढ़ावा मिलेगा। कुलपति ने बताया कि यह कार्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) की अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना 'लवणीय जल का प्रबंधन एवं कृषि में संबंधित लवणीकरण' के अंतर्गत किया गया है। परियोजना के तहत राज्य के विभिन्न जिलों से भूजल नमूनों का वैज्ञानिक विश्लेषण कर जल गुणवत्ता का वर्गीकरण एवं मानचित्रण किया गया। जल गुणवत्ता मानचित्र में हरियाणा के विभिन्न जिलों के जल की गुणवत्ता का विस्तृत वर्गीकरण प्रस्तुत किया गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार लगभग 31.83 प्रतिशत भूजल 'उत्तम गुणवत्ता जल' श्रेणी में पाया गया, जिससे अधिकांश फसलों की सफल सिंचाई की जा सकती है। वहीं लगभग 30.04 प्रतिशत जल 'सीमांत लवणीय जल' श्रेणी में पाया गया, जिसका उपयोग लवण-सहनशील फसलों के लिए किया जा सकता है।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| पवित्र भारत न्यूज | 26.05.2026 | -- | -- |

## एनएसएस स्वयंसेवकों ने विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान के तहत की सफाई, कुलपति ने की प्रशंसा

**हिसार।** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने 'स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में सफाई का कार्य किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने विभिन्न स्थानों से कूड़े-कचरे को एकत्रित कर परिसर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा समाज को स्वच्छ वातावरण के महत्व के प्रति प्रेरित करना रहा। स्वयंसेवकों ने श्रमदान करते हुए स्वच्छता को सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में अपनाने का संकल्प भी लिया।

स्वच्छता अपनाएं-बीमारियों को दूर भगाएं: प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी, अनुशासन और सेवा भाव विकसित करते हैं। उन्होंने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने वाले विद्यार्थियों की प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार के समाज हित कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि गंदगी के कारण अनेक प्रकार की बीमारियां फैलती हैं। स्वच्छ वातावरण हमारे स्वास्थ्य की रक्षा करता है, इसलिए हमें अपने घर, आसपास के क्षेत्र और सार्वजनिक स्थानों को साफ रखना चाहिए। राष्ट्रीय सेवा योजना अधिकारी डॉ भगत सिंह ने बताया कि स्वयंसेवकों द्वारा समय-समय पर स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, स्वास्थ्य जागरूकता तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, ताकि विद्यार्थियों में सेवा और नेतृत्व की भावना का विकास हो सके। इस अवसर पर एनएसएस अधिकारी डॉ. लोचन शर्मा, डॉ. दीपक कौशिक, डॉ. अरुण कुमार व डॉ. इदरीश सहित विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक, गैर शिक्षक कर्मचारी और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

| समाचार पत्र का नाम | दिनांक | पृष्ठ संख्या | कॉलम |
|---|---|---|---|
| सच कहूं | 27.05.2026 | -- | -- |

# अब पानी बताएगा कौन सी फसल होगी बेहतर, एचएयू ने तैयार किया विशेष मानचित्र

कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज के साथ वैज्ञानिक।

**हिसार (सच कहूँ/मुकेश)।**

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बलदेव राज कम्बोज ने हरियाणा राज्य के जल गुणवत्ता मानचित्र का विमोचन किया। यह मानचित्र विश्वविद्यालय के मृदा विज्ञान विभाग के वैज्ञानिकों द्वारा तैयार किया गया है। कुलपति ने बताया कि यह मानचित्र किसानों को जल गुणवत्ता के अनुसार उपयुक्त फसल चयन, सिंचाई प्रबंधन और कृषि तकनीकों की जानकारी देगा।

उन्होंने कहा कि खराब गुणवत्ता वाले सिंचाई जल का वैज्ञानिक प्रबंधन समय की जरूरत है। यह कार्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की परियोजना 'लवणीय जल का प्रबंधन एवं कृषि में संबंधित लवणीकरण' के तहत किया गया है। मानचित्र के अनुसार राज्य का करीब 31.83 प्रतिशत भूजल उत्तम गुणवत्ता का है, जबकि 30.04 प्रतिशत जल सीमांत लवणीय श्रेणी में पाया गया है। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि जल संसाधनों का वैज्ञानिक प्रबंधन भविष्य की टिकाऊ कृषि के लिए आवश्यक है। वहीं विभागाध्यक्ष डॉ. दिनेश तोमर ने बताया कि मानचित्र में खारे और सोडियम युक्त जल का भी विस्तृत वर्गीकरण किया गया है।